

**Instructions:**

All the questions are compulsory.

Question Numbers	Question Type	Count	Points per Questions	Total
1 - 40	Multi choice	40	1	40
Grand Total				40

## अपठित गद्यांश

सारा संसार नीले गगन के तले अनंत काल से रहता आया है। हम थोड़ी दूरी पर ही देखते हैं क्षितिज तक, जहाँ धरती और आकाश हमें मिलते दिखाई देते हैं। लेकिन जब हम वहाँ पहुँचते हैं, तो यह नज़ारा आगे खिसकता चला जाता है। और इस नज़ारे का कोई ओर-छोर हमें नहीं दिखाई देता है। ठीक इसी तरह हमारा जीवन भी है। ज़िंदगी की न जाने कितनी उपमाएँ दी जा चुकी हैं, लेकिन कोई भी उपमा पूर्ण नहीं मानी गई, क्योंकि ज़िंदगी के इतने पक्ष हैं कि कोई भी उपमा उस पर पूरी तरह फिट नहीं बैठती। बर्नार्ड शॉ जीवन को एक खुली किताब मानते थे, और यह भी मानते थे कि सभी जीवों को समान रूप से जीने का हक है। वह चाहते थे कि इंसान अपने स्वार्थ में अंधा होकर किसी दूसरे जीव के जीने का हक न मारे। यदि इंसान ऐसा करता है, तो यह बहुत बड़ा अन्याय है। हमारे विचार स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे से मेल नहीं खाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि हम दूसरों को उसके जीने के हक से वंचित कर दें। यह खुला आसमान, यह प्रकृति और यह पूरा भू-मंडल हमें दरअसल यही बता रहा है कि हाथी से लेकर चींटी तक, सभी को समान रूप से जीवन बिताने का हक है। जिस तरह से खुले आसमान के नीचे हर प्राणी बिना किसी डर के जीने, साँस लेने का अधिकारी है, उसी तरह से मानव-मात्र का स्वभाव भी होना चाहिए कि वह अपने जीने के साथ दूसरों से उनके जीने का हक न छीने। यह आसमान हमें जिस तरह से भय से छुटकारा दिलाता है, उसी तरह से हमें भी मानव-जाति से इतर जीवों को डर से छुटकारा दिलाकर उन्हें जीने के लिए पूरा अवसर देना चाहिए। दूसरों के जीने के हक को छीनने से बड़ा अपराध या पाप कुछ नहीं हो सकता

1. **आसमान हमें दिलाता है?** 1 Pt.
  - A) साथ-साथ रहने का अनुशासन
  - B) भय से छुटकारे का आश्वासन
  - C) भयभीत न करने का आग्रह
  - D) रक्षा करने का वचन
2. **हम बहुत बड़ा अन्याय कर रहे होते हैं, यदि** 1 Pt.
  - A) किसी को लूट लेते हैं
  - B) किसी को टिकने नहीं देते
  - C) किसी को जीने का अधिकार नहीं देते
  - D) किसी से दुश्मनी रखते हैं
3. **बर्नार्ड शॉ ने जीवन की उपमा किससे दी है ?** 1 Pt.
  - A) खुली पुस्तक से
  - B) सभी जीवों
  - C) क्षितिज से
  - D) पढ़ी जा रही पुस्तक से

4. यदि किसी का ओर-छोर नहीं है, तो

1 Pt.

- A) उसका सिरा नहीं मिलता
- B) उसकी सीमा नहीं है
- C) उसका विस्तार अधिक है
- D) उसके बहुत से सिर हैं

5. 'क्षितिज' किसे कहते हैं ?

1 Pt.

- A) जहाँ धरती और आकाश पास-पास होते हैं
- B) जहाँ तक धरती दिखाई पड़ती है
- C) जहाँ से धरती और आकाश दिखाई पड़ते
- D) जहाँ धरती और आसमान मिले हुए दिखाई देते हैं

### अपठित गद्यांश

विद्याभ्यासी पुरुष को साथियों का अभाव कभी नहीं रहता। उसकी कोठरी में सदा ऐसे लोगों का वास रहता है, जो अमर हैं। वे उसके प्रति सहानुभूति प्रकट करने और उसे समझाने के लिए सदा प्रस्तुत रहते हैं। कवि, दार्शनिक और विद्वान जिन्होंने प्रकृति के रहस्यों का उद्घाटन किया है और बड़े-बड़े महात्मा, जिन्होंने आत्मा के गूढ़ रहस्यों की थाह लगा ली है, सदा उसकी बातें सुनने और उसकी शंकाओं का समाधान करने के लिए उत रहते हैं। बिना किसी उद्देश्य के सरसरी तौर पर पुस्तकों के पन्ने उलटते जाना अध्ययन नहीं है। लिखी हुई बातों को विचारपूर्वक पूर्ण, प से हृदय से ग्रहण करने का नाम अध्ययन है। प्रत्येक स्त्री-पुरुष को अपने पढ़ने का उद्देश्य स्थित कर लेना चाहिए। इसके लिए सबसे मुख्य बात यह है कि पढ़ना नियमपूर्वक हो अर्थात् इसके लिए नित्य का समय उपयुक्त होता है।

6. प्रकृति के रहस्यों का उद्घाटन किसने किया?

1 Pt.

- A) कवि
- B) विद्वान
- C) दार्शनिक
- D) सभी

7. पढ़ाई में आवश्यक है?

1 Pt.

- A) बैठना
- B) निरंतरता
- C) पन्ने पलटना
- D) पुस्तकें खरीदना

8. विद्याभ्यासी पुरुष के पास किसका वास रहता है?

1 Pt.

- A) सम्बन्धियों का
- B) पुस्तकों का
- C) गुरुजनों का
- D) इनमें से कोई नहीं

9. विद्या का अभ्यास करने वाले व्यक्तियों को साथियों की कमी महसूस नहीं होती है क्योंकि

1 Pt.

- A) उन्हें साथी की आवश्यकता नहीं होती है
- B) उन्हें मित्र बनाना अच्छा नहीं लगता है
- C) पुस्तकें उनकी साथी होती हैं
- D) उनके अनेक साथी होते हैं

10. अध्ययन क्या है? 1 Pt.
- A) बिना कारण के पुस्तकों के पन्ने पलटना
  - B) नियमपूर्वक पढ़ना
  - C) लिखी हुई बातों को विचारपूर्वक हृदय से ग्रहण करना
  - D) कुछ भी पढ़ लेना
11. रात के समय मैं और मेरी बहन आकाश में तारे देखने छत पर जाते हैं। 1 Pt.
- A) विशेषण पदबंध
  - B) संज्ञा पदबंध
  - C) सर्वनाम पदबंध
  - D) क्रिया पदबंध
12. तेज़ हवा चलने के कारण पेड़ों से पतियाँ गिरने लगी। 1 Pt.
- A) संज्ञा पदबंध
  - B) सर्वनाम पदबंध
  - C) क्रिया विशेषण पदबंध
  - D) क्रिया पदबंध
13. मेज़ पर पड़ी वह पुस्तक मेरी नहीं है। 1 Pt.
- A) विशेषण पदबंध
  - B) क्रिया पदबंध
  - C) संज्ञा पदबंध
  - D) सर्वनाम पदबंध
14. राधा का तोता अत्यंत सुंदर, और आज्ञाकारी है। 1 Pt.
- A) विशेषण पदबंध
  - B) संज्ञा पदबंध
  - C) सर्वनाम पदबंध
  - D) क्रिया पदबंध
15. 'सूरज पढ़-लिखकर अधिकारी बना।' वाक्य का संयुक्त रूप है- 1 Pt.
- A) सूरज पढ़-लिखकर बड़ा अधिकारी बन गया।
  - B) सूरज पढ़ा-लिखा और अधिकारी बना।
  - C) सूरज पढ़-लिखकर अधिकारी बना।
  - D) पढ़-लिखकर जो अधिकारी बना वह सूरज था।

16. 'सर्दी बढ़ते ही उसके जोड़ों का दर्द बढ़ गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है- 1 Pt.
- A) सर्दी का बढ़ना और उसके जोड़ों के दर्द बढ़ना साथ-साथ होता है।  
B) सर्दी बढ़ी और उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।  
C) जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।  
D) उपरोक्त कोई नहीं
17. 'पीले हुए पत्ते गिरने लगे हैं।' वाक्य का भेद है- 1 Pt.
- A) सरल वाक्य  
B) मिश्र वाक्य  
C) संयुक्त वाक्य  
D) देशज वाक्य
18. 'हम फ़िल्म देखने के लिए सिनेमा घर गए।' वाक्य संबंधित है- 1 Pt.
- A) संयुक्त वाक्य से  
B) सरल वाक्य से  
C) मिश्र वाक्य से  
D) प्रश्न वाक्य से
19. समास का शाब्दिक अर्थ होता है? 1 Pt.
- A) संक्षेप  
B) विस्तार  
C) विग्रह  
D) विच्छेद
20. निम्न में कौन सा पद अव्ययीभाव समास है? 1 Pt.
- A) गृहागत  
B) आचारकुशल  
C) प्रतिदिन  
D) कुमारी
21. निम्न में से कर्मधारय समास किसमें है? 1 Pt.
- A) चक्रपाणी  
B) माता - पिता  
C) चतुर्युगम  
D) नीलोत्पलम
22. कौन सा शब्द बह्व्रीहि समास का सही उदाहरण है? 1 Pt.
- A) राजकन्या  
B) चरणकमल  
C) चक्रपाणि  
D) पंजाब

23. बड़े भाई ने छोटे भाई को ऐसी चुभती बात कही कि वह ..... । रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए :- 1 Pt.
- A) गला काट लेना।  
B) शर्मिदा होना।  
C) खून बहाना ।  
D) अपना-सा मुँह लेकर रह जाना।
24. विवाह के अवसर पर दिन भर मेहमानों के स्वागत में लगे रहने से मेरा ..... रहा है। 1 Pt.
- A) अंग-अंग ढीला होना  
B) शरीर थक जाना  
C) अपना हाथ जगन्नाथ  
D) पैरों पर खड़ा होना
25. सच्चे शूरवीर देश की रक्षा में प्राणों की ..... हैं। रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए :- 1 Pt.
- A) बाजी लगा देते हैं।  
B) जान लगा देते हैं।  
C) ताकत लगा देते हैं।  
D) आहुति लगा देते हैं।
26. अध्यापक ने विद्यार्थियों को समझाया कि हमें कभी ..... नहीं करनी चाहिए, वरना पछताना पड़ेगा। 1 Pt.
- रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए :-
- A) छोटा मुँह बड़ी बात।  
B) छोटा कद बड़ी बात।  
C) छोटा दिन बड़ी रात।  
D) छोटी बात बड़ा मुँहा।

निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सही उत्तर चुनिए।

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,  
गिरधारी लाला म्हाने चाकर राखोजी।  
चाकर रहस्युँ बाग लगास्युँ नित उठ दरसण पास्युँ।  
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविंद लीला गास्युँ।  
चाकरी में दरसण पास्युँ, सुमरण पास्युँ खरची।  
भाव भगती जागीरी पास्युँ, तीनू बातों सरसी।  
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।  
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।  
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।  
साँवरिया रा दरसण पास्युँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।

27. **चाकर के रूप में मीरा की दिनचर्या क्या होगी?** 1 Pt.
- A) मीरा श्रीकृष्ण के लिए सुंदर-सुंदर बाग लगाएंगी  
B) वह वृन्दावन की गलियों में घूम-घूमकर गोविंद की लीला के पद गाएंगी  
C) वह नित्य उनके दर्शन करेंगी और उनका नामस्मरण करेगी  
D) उपर्युक्त सभी
28. **वैजंती माला किसके गले में शोभायमान है?** 1 Pt.
- A) मीरा के गले में  
B) राम के गले में  
C) श्रीकृष्ण के गले में  
D) धेनु के गले में
29. **मीरा के अनुसार श्री कृष्ण कहाँ गाय चराते हुए सबका मन मोह लेते हैं ?** 1 Pt.
- A) गोकुल  
B) गोकुल धाम  
C) वृन्दावन  
D) वन में
30. **दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है ?** 1 Pt.
- A) श्री कृष्ण के नजदीक रहने के लिए  
B) कृष्ण के लिए  
C) कृष्ण का हारसिंगार करने के लिए  
D) दोहे लिखने के लिए

### निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सही उत्तर चुनिए।

मेरा जी पढ़ने में बिल्कुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में आ जाता और कभी कंकरीयाँ उछालता, कभी कागज की तितलियाँ उड़ाता और कहीं कोई साथी मिल गया, तो पूछना ही क्या। कभी चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूद रहे हैं। कभी फाटक पर सवार, उसे आगे-पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठा रहे हैं, लेकिन कमरे में आते ही भाई साहब का वह रुद्र-रूप देखकर प्राण सूख जाते। उनका पहला सवाल यह होता- 'कहाँ थे'? हमेशा यही सवाल, इसी ध्वनि में हमेशा पूछा जाता था और इसका जवाब मेरे पास केवल मौन था। न जाने मेरे मुँह से यह बात क्यों न निकलती कि जरा बाहर खेल रहा था। मेरा मौन कह देता था कि मुझे अपना अपराध स्वीकार है और भाई साहब के लिए उसके सिवा और कोई इलाज न था कि स्नेह और रोष से मिले हुए शब्दों में मेरा सत्कार करें।

31. **अवसर मिलते ही लेखक कौन से काम करता था ?** 1 Pt.
- A) चार दीवारी पर चढ़ता उतरता था  
B) कागज की तितलियाँ उड़ाता था  
C) कंकर उछालता था  
D) सभी
32. **बड़े भाई छोटे भाई से हर समय सब से पहले क्या सवाल पूछते थे ?** 1 Pt.
- A) अब तुम कहाँ थे?  
B) क्या कर रहे थे?  
C) कहाँ जा रहे हो हो?  
D) पढ़ाई कर ली?



33. लेखक के लिए क्या लेकर बैठना पहाड़ के समान था? 1 Pt.
- A) किताब  
B) खेल-कूद का सामान  
C) खाना बनाने का सामान  
D) उपर्युक्त सभी
34. भाई साहब का रुद्र-रूप देखकर लेखक पर क्या प्रभाव पड़ता ? 1 Pt.
- A) लेखक के प्राण सूख जाते  
B) लेखक को मजा आता  
C) लेखक उनकी तरफ ध्यान नहीं देते  
D) लेखक बाहर निकल जाते
35. भाई साहब लेखक से किस अंदाज में पेश आते? 1 Pt.
- A) सदैव क्रोध भरे स्वर में बात करते  
B) लेखक से मार-पिट करते  
C) प्यार से पेश आते  
D) प्रेम और रोष भरे स्वर में बात करते

### निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सही उत्तर चुनिए।

किसी तरह रात बीती। दोनों के हृदय व्यथित थे। किसी तरह आँचरहित एक ठंडा और उबाउ दिन गुजरने लगा। शाम की प्रतीक्षा थी। ततार्रा के लिए मानो पूरे जीवन की अकेली प्रतीक्षा थी। उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था। वह अचंचित था, साथ ही रोमांचित भी। दिन ढलने के काफी पहले वह लपाती की उस समुद्री चट्टान पर पहुँच गया। वामीरो की प्रतीक्षा में एक-एक पल पहाड़ की तरह भारी था। उसके भीतर एक आशंका भी दौड़ रही थी। अगर वामीरो न आई तो? वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था। सिर्फ प्रतीक्षारत था। बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार-बार लपाती के रास्ते पर नजरें दौड़ाता। सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई... कुछ और... कुछ और। उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। सचमुच वह वामीरो थी। लगा जैसे वह घबराहट में थी। वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी। बीच-बीच में इधर-उधर दृष्टि दौड़ाना न भूलती। फिर तेज कदमों से चलती हुई ततार्रा के सामने आकर ठिठक गई। दोनों शब्दहीन थे। कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था। एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे। सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया था। अँधेरा बढ़ रहा था। अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। ततार्रा अब भी वहीं खड़ा था... निश्चल... शब्दहीन...।

36. ततार्रा का जीवन कैसा था ? 1 Pt.
- A) सुखी और समाधानी ?  
B) गंभीर और शांत  
C) कष्टप्रद  
D) शांत और सुखी
37. ततार्रा का मन किस बात को लेकर आशंकित था? 1 Pt.
- A) वामीरो द्वारा धोखा देना  
B) वामीरो का न आना  
C) गाँववालों का असहयोग  
D) इनमें से नहीं

38. सूर्यास्त के समय ततार्रा कहाँ पहुँच गया था?

1 Pt.

- A) लपाती के मैदान पर
- B) समुद्र किनारे
- C) लपाती की समुद्री चट्टान पर
- D) पासा गाँव में

39. वामीरों को समुद्र किनारे देखकर ततार्रा पर क्या प्रभाव पड़ा?

1 Pt.

- A) ततार्रा आश्चर्यचकित हुआ
- B) वह बेहद खुश हुआ
- C) वह रोने लगा
- D) जोर-जोर से चिल्लाने लगा

40. प्रस्तुत गद्यांश से किस समय का बोध हो रहा है?

1 Pt.

- A) समुद्री किनारे का
- B) दोपहर के समय का
- C) रात के समय का
- D) सूर्यास्त के समय का